रस बरसे तेरे भवन में

रस बरसे तेरे भवन में माँ रस बरसे,
रस बरसे तेरे भवन में माँ रस बरसे,
रस बरसे ओ रस बरसे,
रस बरसे तेरे भवन में माँ रस बरसे.....

मृदङ्ग बाजे ढोलक और छैणा,
मृदङ्ग बाजे ढोलक और छैणा,
पिए अम्रत सारे रस बरसे,
रस बरसे ओ रस बरसे,
रस बरसे तेरे भवन में माँ रस बरसे,
रस बरसे तेरे भवन में माँ रस बरसे.....

जगमग जगमग ज्योति जगी है,
जगमग जगमग ज्योति जगी है,
गूँज रहे जयकारे रस बरसे,
रस बरसे ओ रस बरसे,
रस बरसे तेरे भवन में माँ रस बरसे
रस बरसे तेरे भवन में माँ रस बरसे...

चंदन की चौकी बैठी भवानी,
चंदन की चौकी बैठी भवानी,
झोलियाँ भरते सारे रस बरसे,
रस बरसे ओ रस बरसे,
रस बरसे तेरे भवन में माँ रस बरसे,
रस बरसे तेरे भवन में माँ रस बरसे...

भक्तों पे तेरी कृपा हो भवानी,
भक्तों पे तेरी कृपा हो भवानी,
मस्ती में नाचे सारे रस बरसे,
रस बरसे ओ रस बरसे,
रस बरसे तेरे भवन में माँ रस बरसे
रस बरसे तेरे भवन में माँ रस बरसे.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23716/title/ras-barse-tere-bhawan-me

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |